जो दास अपने मालिक की अनुमति के बिना निकाह कर ले, वह व्यभिचारी है।

जाबिर बिन अब्दुल्लाह (रज़ियल्लाहु अंहुमा) का वर्णन है कि नबी (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ने फ़रमायाः "जो दास अपने मालिक की अनुमति के बिना निकाह कर ले, वह व्यभिचारी है।"
[ह़सन] [इसे इब्ने माजा ने रिवायत किया है । - इसे तिर्मिज़ी ने रिवायत किया है। - इसे अबू दाऊद ने रिवायत किया है। - इसे अह़मद ने रिवायत किया है। - इसे दारिमी ने रिवायत किया है।]

http://www.sunnah.global/hadeeth/hi/show/58072